CDM

# आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम (सी.डी.एम.)

## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सी.डी.एम–01 (आपदा प्रबंधन में आधार पाठ्यक्रम)
सी.डी.एम–02 (आपदा प्रबंधन : विधियाँ एवं तकनीक)

(जनवरी–जून 2016) और (जुलाई–दिसंबर 2016)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

# आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम (सी.डी.एम.)

## सी.डी.एम–01 (आपदा प्रबंधन में आधार पाठ्यक्रम)
## सी.डी.एम–02 (आपदा प्रबंधन : विधियाँ एवं तकनीक)

# अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

## (जनवरी–जून 2016) और (जुलाई–दिसंबर 2016)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में लगभग 500 शब्दों, 25 शब्दों और 100 शब्दों में उत्तर देने होंगे। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

**प्रस्तुतीकरण :**

**आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।**

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

| सत्रीय कार्य | प्रस्तुति की तिथि | किसे भेजें |
|---|---|---|
| सी.डी.एम–01 व सी.डी.एम–02 के सत्रीय कार्य | जनवरी–जून 2016 सत्र के लिए अंतिम तिथि मार्च 31, 2016<br>जुलाई–दिसंबर 2016 सत्र के लिए अंतिम तिथि सितंम्बर 30, 2016 | अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को |

# सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

**प्रो. प्रदीप साहनी**
**(कार्यक्रम संयोजक)**

# आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम (सी.डी.एम.)

## सी.डी.एम–01 (आपदा प्रबंधन में आधार पाठ्यक्रम)

## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
## (जनवरी–जून 2016) और (जुलाई–दिसंबर 2016)

**पाठ्यक्रम कोड : सी.डी.एम–01**
**सत्रीय कार्य कोड : सी.डी.एम–01/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016**
**अंक : 100**

प्रिय विद्यार्थी,

यह सत्रीय कार्य सभी खंडों पर आधारित है। प्रश्नों को ध्यान से पढ़िए और काम शुरू कीजिए। आपको सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

### भाग–I

**निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।**

1. सामुदायिक भागीदारी और सामुदायिक जागरूकता के महत्व का विवेचन कीजिए और आपदा प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी की विविध प्रविधियों की चर्चा कीजिए। 20

2. नेतृत्व के महत्व की चर्चा कीजिए और संकट की स्थिति में नेतृत्व की विभिन्न शैलियों की व्याख्या कीजिए। 20

### भाग–II

**निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।**

3. आपदाओं को गंभीर बनाने वाले कारकों की चर्चा कीजिए। 12

4. भूकंप के लक्षणों, संघात और प्रभावों का वर्णन कीजिए। 12

5. औद्योगिक और प्रौद्योगिकीय आपदाओं के अर्थ और प्रकारों की व्याख्या कीजिए। 12

6. आपदा की स्थिति में जिला प्रशासन की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 12

### भाग–III

**निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।**

7. सामाजिक संवेदनशीलता की अवधारणा की चर्चा कीजिए। 6

8. भंडारण और माल संभरण के महत्व की व्याख्या कीजिए। 6

# आपदा प्रबंधन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम (सी.डी.एम.)

## सी.डी.एम–02 (आपदा प्रबंधन : विधियाँ एवं तकनीक)

## अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

## (जनवरी–जून 2016) और (जुलाई–दिसंबर 2016)

**पाठ्यक्रम कोड : सी.डी.एम–02**
**सत्रीय कार्य कोड : सी.डी.एम–02/ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016**
**अंक : 100**

प्रिय विद्यार्थी,

यह सत्रीय कार्य सभी खंडों पर आधारित है। प्रश्नों को ध्यान से पढ़िए और काम शुरू कीजिए। आपको सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

### भाग–I

**निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।**

1. भारत में आग के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए। 20

2. नुकसान मूल्यांकन क्या है? इसके अनिवार्य तत्वों की चर्चा कीजिए। 20

### भाग–II

**निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।**

3. भूकंपों के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण उपायों की चर्चा कीजिए। 12

4. आपदा प्रबंधन के लिए भूमि–उपयोग क्षेत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय स्तरों पर व्याप्त मुद्दों पर प्रकाश डालिए। 12

5. खोज और बचाव के महत्व की व्याख्या कीजिए। 12

6. आपदाओं से प्रभावित स्त्रियों और बच्चों के पुनर्वास से संबंधित महत्वपूर्ण उपायों पर प्रकाश डालिए। 12

### भाग–III

**निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।**

7. औद्योगिक खतरनाक पदार्थों के प्रकारों की चर्चा कीजिए। 6

8. रोगियों के वर्गीकरण की व्याख्या कीजिए। 6